Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding laying of new railway lines in Churu Parliamentary Constituency of Rajasthan.

श्री राहुल कस्वां (चुरू): अध्यक्ष महोदया, भारत सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा जो नए लाइनें बिछाने का जो कार्य किया जाता है उसकी पॉलिसी की तरफ ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। पिछले दस सालों में राजस्थान के अंदर मात्र दो नई रेल लाइनें बिछाई गई हैं । भारत सरकार की जो पॉलिसी है, जिसके तहत नई रेल लाइनें बिछाई जाती हैं । मेरे क्षेत्र के अंदर पिछले तीन सालों में छ: नए सर्वेयर की स्वीकृति प्रदान की गई। हर सर्वे के पश्चात् यह मालूम होता है कि इस सर्वे का आर.ओ.आई. निगेटिव आई है। राजस्थान के अंदर माल भाड़े की व्यवस्था नहीं है। जिस पॉलिसी के तहत आर.ओ.आई निकाली जाती है, उसके अंदर माल भाड़ा और पैसेंजर भाड़े को मिलाकर निकालते हैं। राजस्थान के अंदर माल भाड़ा नहीं है, तो क्या हमारे क्षेत्र के लोगों को ट्रेनों की सुविधा मिलेगी या नहीं? ऐसा ही एक सर्वे साजनपुर से तारा नगर रेल लाइन का हुआ था। तारा नगर एक तहसील हेडक्वार्टर है, परन्तु आज तक वहां रेल लाइन नहीं पहुंची। पिछली कई सरकारों ने उस पर राजनीति करने की कोशिश की, पर आज तक वहां रेल लाइन नहीं पहुंची। मैडम, आपसे मेरा अनुरोध है कि राजस्थान के परिप्रेक्ष्य में नई नीति बनाई जाए, जिसके अंदर हम तहसील हेडक्वार्टर्स को जोड़ने का काम करें। नोखा-सीकर रेलवे लाइन की घोषणा दस साल पहले की गयी, परन्तु आज तक वहां रेल लाइन नहीं बिछी। मेरा आपसे इतना ही कहना है कि सरकार तारा नगर जैसे महत्वपूर्ण हेडक्वार्टर्स के ऊपर रेलवे लाइन बिछाने का कार्य करे और राजस्थान के लिए नई नीति का प्रावधान रखा जाए, ताकि लोगों को रेलवे की सुविधा मिल सके।

माननीय अध्यक्ष:

डॉ. मनोज राजोरिया और

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल को श्री राहुल कस्वां द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।